





From Principal's Desk



Dear Parents

I am pleased to welcome you back to the 2021-22 school year! I would like to extend a special welcome to all of the new families joining JHCS this year and welcome back all of our returning families as well! Our goal at JHCS is to work together to provide our students with a rich learning environment.

My vision, as the Principal, is to always put child first! My belief is that all students can learn. As educators, we need to discover how each child learns in order to differentiate our instruction to support diverse learning styles. In a collaborative effort, we want children to thrive in all the possible ways. My hope is that all children will love school and nurture a learning environment that is positive, safe, warm, caring, as well as a fun place to learn and grow.

Student success is attributed to the partnership and the relationships we build within our community and this is most important now in this pandemic more than ever. Education is a joint venture and Team JHCS greatly appreciates the support that you provide for your children at home to help them meet their learning goals. Without the support of parent contributions, we would not have many of the ventures that make JHCS so unique and successful.

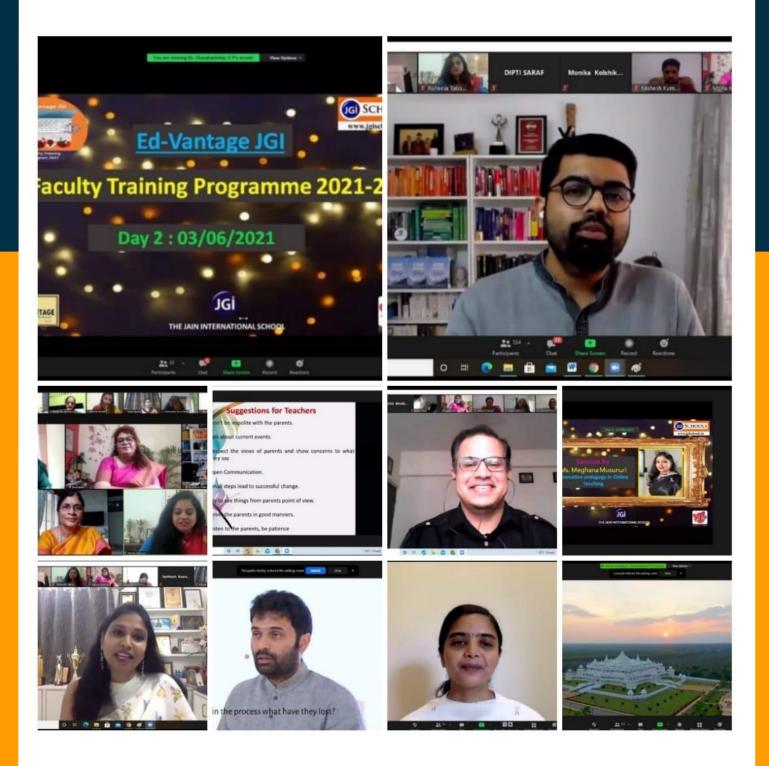
We are recognized as a school with exceptional student achievement. Parents and community members are encouraged to participate and become involved at our school. We actively ask for your support, ideas and suggestions. I encourage you to get acquainted and get involved. You will find the effort enjoyable and zzrewarding.

We hope you will find that Jain Heritage A Cambridge School is truly a place where learning is joyful and children are delighted coming to the school.

Let's make it a great year! Please stay safe and healthy!

Praveen Sharma Principal Jain Heritage A Cambridge School Nagpur

ED-VANTAGE JGI - FACULTY TRAINING PROGRAMME 2021-22

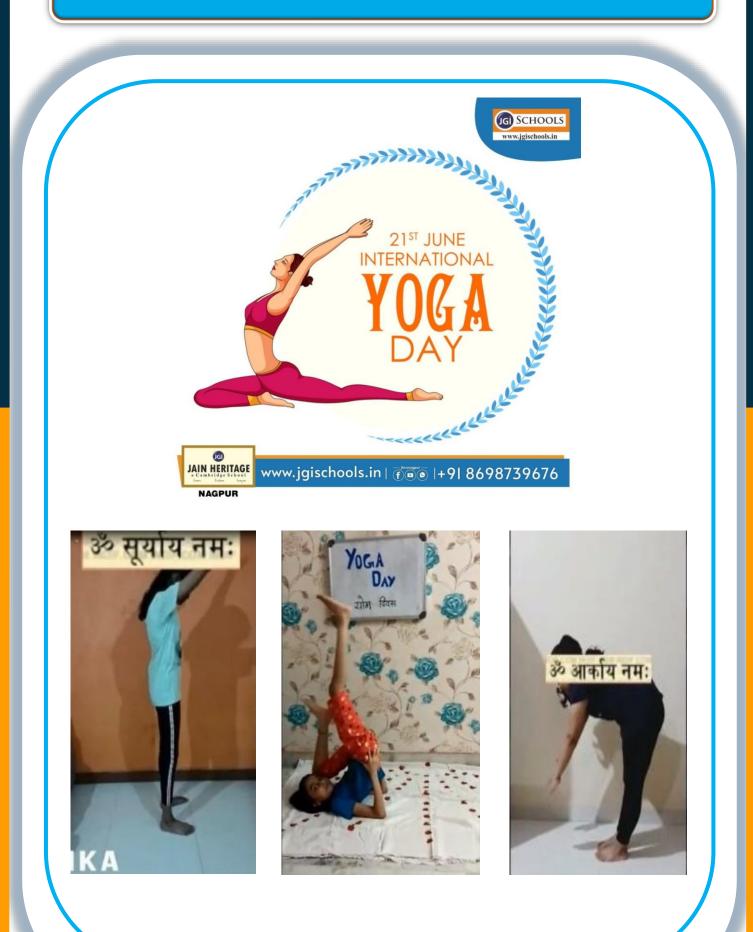


APEX BODY CABINET MEMBERS (2021-22)



JHCS Nagpur organized Cabinet Elections for the post of HEAD BOY, HEAD GIRL, CULTURAL SECRETARY, SPORTS CAPTAIN, HOUSE-WISE SENIOR AND JUNIOR CAPTAINS. Students overwhelmingly participated in the election and voted wisely. Finally 12 candidates who won the elections will be honoured through investiture ceremony scheduled on 10th July'21 physically in school. Kudos and All the Very Best to the chair holders.

Celebrated International Yoga Day on 21 June



Celebrated International Yoga Day on 21 June





Celebrated International Yoga Day on 21 June





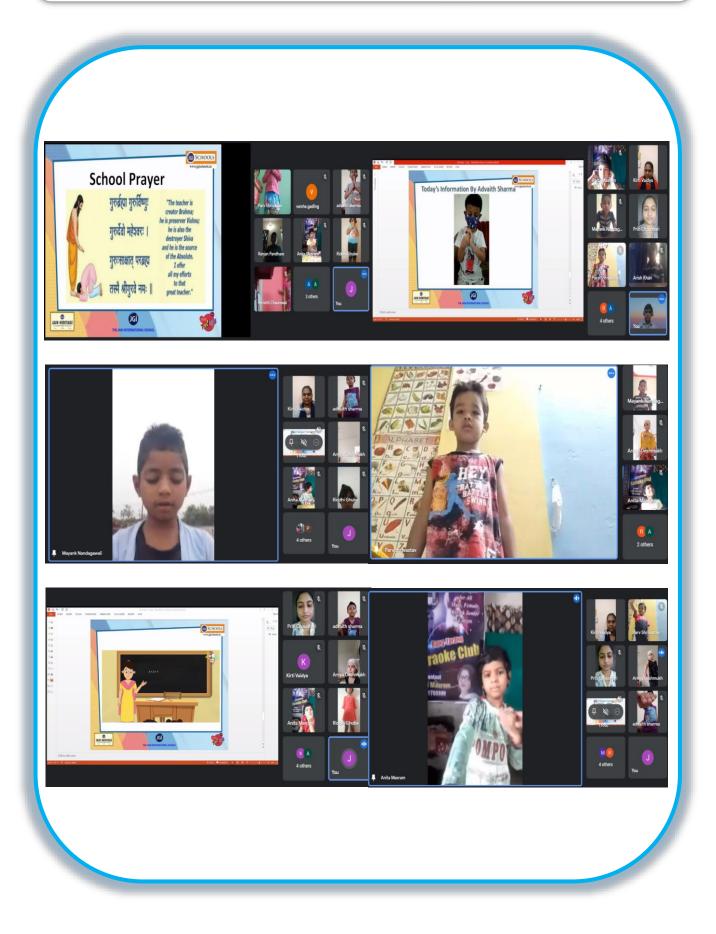




Father's Day Celebration on 21 June



Special Morning Assembly by Grade I

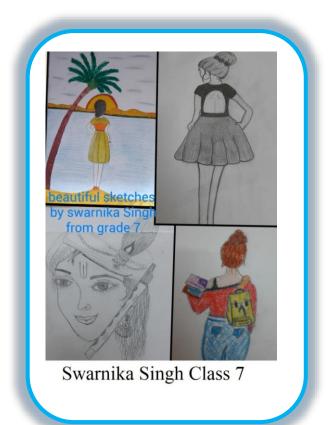


Art Creativity (Made with Photo Collage)

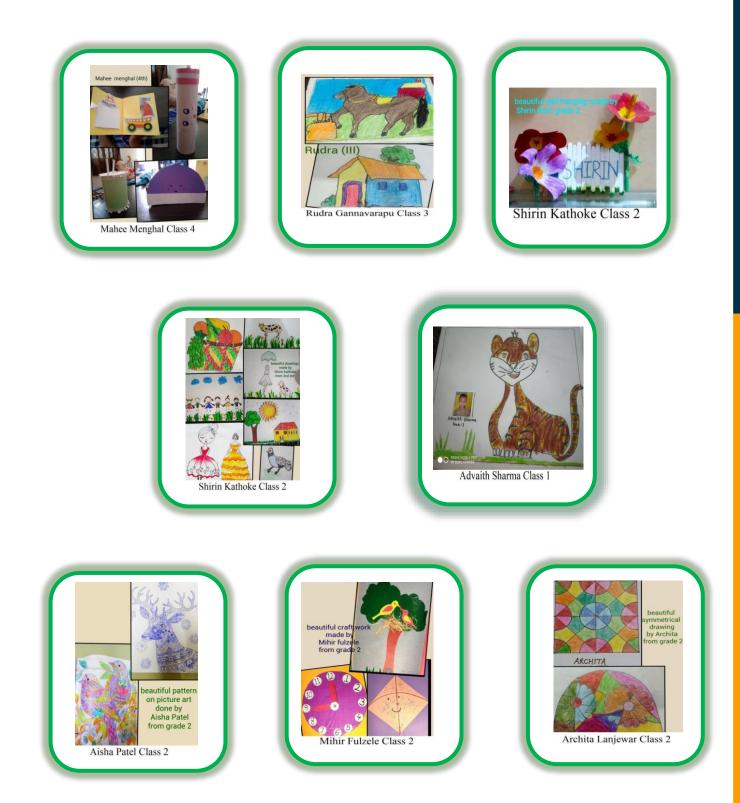




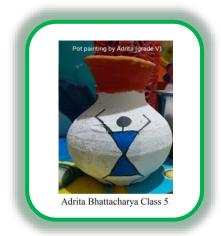


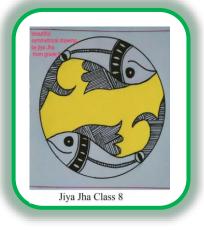


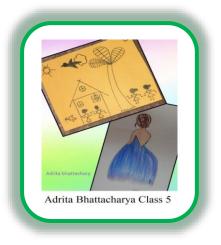
Art Creativity

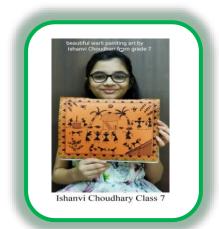


Art Creativity











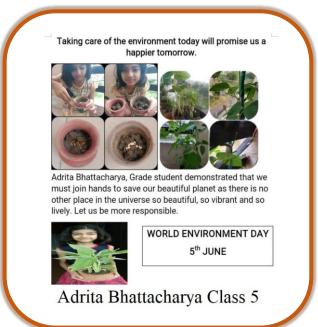








World Environment Day (5 June)







Botanical Heaven



Anshuman Patil - Class X

Poetic Harmony (English)

From thousands of years, we have been practicing it, Yoga is done while we stand or sit.

Great people have practiced yoga and passed it down to others, They preached, 'This relaxes your mind, brothers'.

By doing this, we'll be physically fit, And also your inner light will be lit.

Sages and saints have attained salvation in this path, So why not follow them and take a wisdom bath

To do it, you have to wake up every morn, Yoga might seem like a prickly thorn.

But once you do it, You'll be mentally and physically fit.

By - Sharadha KV (Class VI)

Trees

Trees! Trees! Save the trees, Were the people protesting in the streets, I asked one person , what is this ? He says it's a protest for the trees, He says it's a protest for the trees, Everywhere I could hear shoutings & screams, "Save trees ", "Save trees", "Save trees", Trees! Trees ! save the trees !

But after all the shoutings & screams,
I didn't understand one thing,
How do they say this all with such an ease,
Since humans are the only creatures in this scene.Trees reduce violence...Who cut trees, make papers of them & write on the
"Save trees".Trees reduce violence..."Save trees".Trees provide a canopy and habitat for wild life
so many benefits of trees,
end come life

But then, I didn't have a thought nor could I hear scream,

It was a critical situation for me. But, then I slightly opened my eyes, And realised, this was just a dream.

Benefits Of Trees

Trees clean the air. Trees provide oxygen. Trees cool the streets and the city. Trees conserve energy. Trees save water. Trees help to prevent water pollution. Trees help to prevent soil erosion. Trees shield children from ultra-voilet rays. Tress prevent flood. Trees reduce violence... Trees mark the seasons. Trees are teachers and playmates. rees provide a canopy and habitat for wild life Trees provide wood. so many benefits of trees, so, save trees and save life

Shilpee Priya

Shilpee Priya Meghe - Class IX

Poetic Harmony (Hindi)

किर रने रक्त जायेंगे किसना अच्छा अहिम था, णव हम रक्न जाने थे, रवेल-कर्त्तम पराई कर, आकामर दार को अगते थे, (मेर आजी फ्रांक लहर कोर्ट्रान) के बीमारी की अर्देश हो जामी युद्धी देवा अर मे महासारी की किर से आजजी सुबह जब , गिरमाउह मेर फिल्स 312 Etil Choraniztan 2-072 में दिवल- विवनापुरी, (मेर आर्थे) की दिन जाक राज मुट ठीक हो जास्त्रा अमेर किर भी हमारा भारत रनस्य 2) नहेरा कोरोना- भूवन केहलाएगा

Virsa Vashisht Class 5

Name > Arya Proushottam Nenje Class > VII Subject - Hands भुम केरा है- मेहनन करना हमेशा आगे बढते रहना मेहनत करने से कभी ना डरना। जग में ऊंचा करना नाम मेहनत करना मेरा काम आतस्य यदि अपनाओगे जीवन ते दुख पाओगे। बुरूजनों ने यही समझाया, महनत का है पाठ पढाया। अपनी मेहनत सवा ही रंग लाए जीवन खुशीयों से भर जाए। Arya Nimje Class 7

प्गोर बचे राज चिहियाँ के क्वे बचे गर । धर से निकते पंछ पसार !! पुरूब से पोल्वम को जाए । उत्तर से हडिण को आए ।। यूम धाम को धर को आए। साकर माँ को बात बात बता ऐ ए देख लिएे हमने जग् सारा। अपना धर है सबसे प्पारा रोषानी अलम 9291 ongit Roshni Alke Class 5

Story Time (Hindi)

काजू रगनेवाला लड़का

रुक लड़का था। उसे कानू बहुत पसंद थे। इसलिए उसकी माँ हमेशा उसे थोड़े- थोड़े कानू रगते के लिए देती थी। लड़का हमेशा माँ से ज्यादा

रसाने के लिए देता थी। लड़का हमना मा से ज्याद कानू देने का हठ करता पर असकी मां हर बार उससे कहती, " नहीं बेटे, एक साथ ज्यादा कानू नहीं खाने जाहिए थिए छठ साथ ज्यादा कानू बाओगे, तो तुम्होरे पेट में दर्ह होने जगेगा।" यह सुन कर जड़का नुपू हो जाता थिर उसने में की बात पर कभी हयान नहीं दिया ।

57क दिन उसकी माँ लपर गई हुई भी लड़का घर पर अकेला भा । उसने जलीजन्ती काद्र का डिल्बा उतारा | उस् दिन चर में उसे रोकने काला कोई नहीं भा । उसने

दुसरे दिन लड़का बीमार पड़ गया | उसके पेट में बहुत पीड़ा होने जगी | उसे इस बात का बड़ा पढतावा हुआ

Adrita Bhattacharya Class 5

अद्रिता भट्टाचार्थ - कक्षा पाँचबी

कि उसने मां का कहना नहीं माना

माता-पिता तुम्होरे शुभचिंतक हैं | उनका कहना मानना चाहिए |

भरपेट काजू खाछ

्रिमिलि २.फ शस से की बात हैं कुरणा ताब की २.फ लडकी थी। तह आहितारेक्षी के परिताद को थी और इक जंगल में रहती थी। तह भिरेत नहीं थी वर्शों के इसके जंगल के पास किसी तरह का तह भिरेत नहीं थी वर्शों के इसके जंगल के पास किसी तरह का तहीं चाहने ही वराधों के इसके जंगल के पास किसी तरह का नहीं चाहने ही वराधों के इसके जंगल के दास किसी की तरह का नहीं चाहने ही की शरे इसके जंगल के दास हिस्तान के धा तोकेन भूले ही वह भीरित नहीं थी, पर वह जंगल की भावसे जांती जीशों में से २.फ थी। जंगल का जात तो था ही था, भाव में कुछ बाहरी जांत था। उसके लिए 'बाहरी' भानी आहरी जंगा था हम जंगल के तांत शहरी लोग आदरी लोग हो तरा ही था, भाव में कुछ बाहरी जांत था। उसके लिए 'बाहरी' भानी आहरी जंगा था हम जंगल के तांत शहरी लोग आदरी लोग की ना भाव में कुछ बाहरी जांत था उसके लिए 'बाहरी' भानी आहरी जंगा था हम जंगल के तांत शहरी लोग आदरी लोग की ना भाव में कुछ बाहरी जांत था उसके लिए 'बाहरी' भानी की ना तांता साहरत थी कि जिस्ति होते के बावजूर, शहरी लोग समझत हं तो के आहर के आग के साथ के साथ के लोग की था जंगा का ही था कि प्रिक्त होते के साथ के साथ वावहार करना जो हिए। आहरी भा के बाहरी का आग के साथ वावहार कहना चाहिए। और यह भी नहीं पत कि हम प्रकार था जातनी ही तैया तोगा कि बाहर की जोत बही थी कि वहारे की बादरी तोगा की के कारण बाहरी पता कि हम प्रकार था जातनी ही उहा ही तोगा की बातने हं या किस वाहरी की जोत कही हो रातनी ही देया ताजा की तथा कर की जात कही था कि वहाँ के तोग अंत है था किस ना नहीं। राक दित वह जोगा में भिलते तही दिया तहा नही पता की तथा ही जोत की थी की वही था कि वहाँ के तोग अतके रही थी, तसी असने अफ बच्चो की रादे होगा कि वहा का आतके रही थी, तसी असने अफ बच्चो ते देस की वात की यहा थी आतक ही दिया ताजा है आई दार तो ना सरमा भुल नाया है उसते सोता की आहत हरा के करिक बच्चा की जात हो सा की देस से का साफ रही थी, तसी असने कि वादरा खी जात की या हो हो तात की साल देश से पर लाभर का आरतों की सरमा परित के स्वाह ह लेते के लियन की साथ पठत तोया आत्र आज साल साल परित के स्वाह ह लेते के लियन के सुक आतत. पिता ते वच्ची को जात ही के जाह हो ता बाध के जाजा ती करवा ना हो हो हो जात की का लाह ही ता बाध पर जा अरकी करवा ना हो हो हो लागा हो का ता ही ता बाध से पठता जीया mpr की होंग पठेड़ें जिया साम साथ साथा-पारा के स्वाह ह लाल कालय: ते राष्ट्र राई कि दया करवा राहिए। तेक इसके सात - पिता ते करवो को देखने के बाद बड़े ही राहरूरी से कुल्णा को कहा," शह दया कर दिया दुसले ? तुसले सहरी लोगों के बच्चे को हसारे लगान के सुसि से कदस भी ऊस रयवने दिया हू म वर्ष्टय का हमार उमाल के सुलि के जपन आ कि के रखत दिया हु म क्या गेक गई 1924 के का लाग अकि जा के रखत जा कि किया हम रखत यह जान नहीं हम के तब बच्चा महर्म ला नकिन पिर भी, भगत यह जान नहीं हम के तब बच्चा महर्म हम नकिन पिर भी, भगत यह जान नहीं हम के कह बच्चा महर्म हम नकिन पिरा ने नेव नंतर में भाव दुम रमें के का महित्य हम । इसके पिता ने बैंच नंतर में भाव दुम रमें के कि हमां ! इसके पिता ने बैंच नंतर में भाव दुम रमें के कि हमां ! इसके पिता ने बैंच नंतर में भाव दुम रमें के कि हमां ! इसके पिता ने बैंच नेक महर्म दुम रमें को कि मंद भाव के लाग हम कि का मा यह अनस्प्र ने देख पार्थन व्यक्ति कहां ! एतन के ही के समुदा किय करें पितानी ! में नंतर में दिया जाने हैं और इस कट के नकी करें पितानी ! में नंतर में कि नार जाने हैं आदे इस कट के नकी करें पितानी ! में नंतर में कि मार्थ जाने कि मार्थ का कि की का मां में राक्त हम महर है नकी के पर्वात्र के कहां कि कि मां का मां हम रक्ते कि कहां कि दह बात करने नहीं कि नेका प्रमान के कि मां मां मुंद कि कह हो के हम हो का राज्य करने कहां मिलनेगा . मबरक में नायम हो राक्तो हमारे बच्चे का अपना के नती , वहां क्ये अक इंशान ने इस कहां ! ? अब नाम उसकि मां मां में कि क्या मा सार्थ कि कहता में था का अपना करती . वहां क्ये अक इंशान ने अन्हों कि तहां का अपना करती . वहां क्ये अक इंशान ने इस कहां ! ? यह नांत उसके का प्रमाम कर कर की हा क्यों कहा ! को बच्च का अपना करती . वहां क्ये का प्रमाम का का मा क्यों कि तहां की अपहरण करते का प्रमाम का प्रमान के माता की मा क्यों कि कहां मां स्वा का अपने के मार प्रमान के साग की मा क्यों कि तब बात निता को बाद मा प्रमा के कामा कि नाता हो मा पुलेसराई मिं को खुनाने के स्वा की का प्रमाम के माया हो हा की नही को बंधी का सिया है. वह आता क्यों के तिता हमा आते ? कि साता नेक के साग कि काद हम मा के का का कहा सार आते के ना अंह माया ना और का नही का के की बहु मार का को कि साग कि नेका कि मा कि साता निता को करने में का सात कि का को कि को राक्त के ति का के साता निता कर हो हो के की बाता मिंक आते हो हिंह अंग को के साता निता कर हो ही के की का मा के का हो हो के की नेक का नोवा के कहते हो की की की का मा के का की हिता को के माका के सात ने के मा के साता निता कर हो हो के की लगे । तह बडी शासिंदगी २४ अग्रे आफर खार्म भाफी की आफ मौंग

लागे। तह बहा शासारमा २२ २मता आफर खन्म मामा को आज का लगे। तह आग के साता-पिता हूं उन्हें माम कर दिया। तह सब अयुगी तो सुरुषा के साता-पिता हूं उन्हें माम कर दिया। तह सब अयुगी ते रहते लगे। परंतु अब शाहरी शांर जंगली लोगों के तीच दुश्मती खन्म हो गयी। अब कोई फिसी की बलत तनरिये से लही तेयत किसी के ज़िंदगी में दयल न दिशा और सुद्धी से अहते लगे।

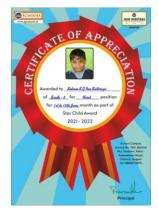
- मॉब्मी आह

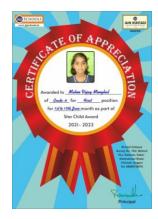
Maushmi Shah Class 8

Star Child Award for the 1st fortnight (01-06-2021 to 15-06-2021)





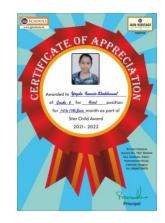












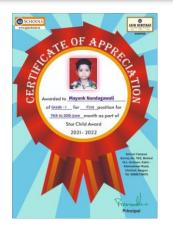




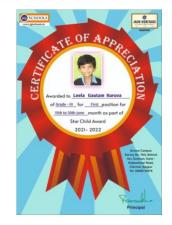
Sanskrit

भंतकृतमावा संसारम्य भवन्ति आवासु प्राचीततज्ञा अस्ति रुवम रुव भमकृतमावामाः स म्पूर्ण भाहित्यम् अपि प्राचीनतमस् अस्ति | भंत्रकृतमावा प्रायः भारतीयानां अहिकांश्रामावाणां जनती अस्ति | हिन्दीझावाणाः संस्कृतझावाणाः उ परस्परे अनती- युती - सम्बन्धः असि। वेद्यं संस्कृतं प्रतिन्या हिन्दीमावायां योग्याः अवाम्र NAME - Silvi louish CLASS-YIL Silvi Girish Class 7

Star Child Award for the 2nd fortnight (16-06-2021 to 30-06-2021)







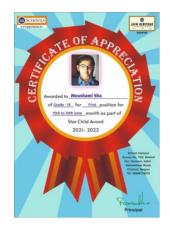


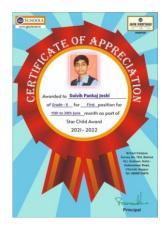












Teacher's Corner



Corona Warrior Teachers



Super Woman Awards by 94.3 MY FM





Editorial Board:

Chief Editor – Mr. Praveen Sharma

Editor – Mrs. Asha Sharma

Creative Heads – Mrs. Swati Mamidana, Mrs. S.A. Laxmi Rao, Mrs. Prerna Pawar, Mrs. Priti Choudhary

Designing Team – Mr. Jatin Ingale, Mr. Kirtikanth Badole